

- जैसे:
- i अरे! तुम उत्तीर्ण हो गए।
  - ii छि! तुमने यह क्या किया।
  - iii हाय! तुम्हारी यह हालत किसने की।
  - v काश! आप पहले आ गए होते।
  - v उफ! बहुत पीड़ा है।
  - vi अरी! सुनो तो। अजी! लो अपनी पुस्तक।

## 2.5 निपात

'निपात' वे शब्द हैं जिनके प्रयोग से वाक्य या वाक्यांश में विशिष्टता आ जाती है। भाषा में प्रयोग की दृष्टि से इनका विशेष महत्व है। लिंग, वचन आदि के कारण इनमें किसी प्रकार का कभी परिवर्तन नहीं होता, इसलिए इन्हें अव्यय का ही एक भेद माना जाता है। हिंदी भाषा में निपात के रूप में प्रयुक्त किये जाने वाले मुख्य रूप से सात शब्द हैं- तो, ही, भी, तक, भला, न, भर।

वाक्य में प्रयुक्त होने पर इनकी विशेषताएँ इस प्रकार हैं।

I किसी शब्द विशेष पर बल देने के लिए भी इनका प्रयोग होता है। जैसे- 'मैं आपको लड़ूँ खिलाऊँगा। यहाँ कथ्य की दृष्टि से वाक्य रचना के प्रकार बदल सकते हैं।

- i मैं भी आपको लड़ूँ खिलाऊँगा।
- ii मैं आपको भी लड़ूँ खिलाऊँगा।
- iii मैं आपको लड़ूँ भी खिलाऊँगा।

इन वाक्यों में 'भी' के स्थान पर अन्य निपातों का भी प्रयोग हो सकता है।

II प्रत्येक निपात के प्रयोगगत अर्थ इस प्रकार हैं-

- तो i इसका मतलब है कि।  
जैसे- तो आप जा रहे हैं।
- ii ज़रा, क्षण भर के लिए।  
जैसे- सुनो तो सही।
- iii निश्चित रूप से,  
जैसे- वह तो मानेगा नहीं।
- 'ही' मात्र, केवल